

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-92

दिनांक- मंगलवार, 03 दिसम्बर, 2024



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.8 एवं 10.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 48 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.4 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.7 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 14.9 एवं दोपहर में 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(04-08 दिसम्बर, 2024)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 04-08 दिसम्बर, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम क शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह में हल्का कुहासा छा सकता है।
- अधिकतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान में गिरावट के साथ 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- औसतन 5-7 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- 10 दिसम्बर के बाद गेहूँ की पिछात किस्मों की बुआई की सलाह दी जाती है। इसके लिए अभी से ही प्रमाणित स्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। उत्तर बिहार के लिए गेहूँ की पिछात किस्मों जैसे पी०बी०डब्लू० 373, एच०डी० 2285, एच०डी० 2643, एच०यू०डब्लू० 234, डब्लू०आर० 544, डी०बी०डब्लू० 14, एन०डब्लू० 2036, एच०डी० 2967 तथा एच०डब्लू० 2045 अनुशंसित है।
- गन्ना की रोपाई के लिए स्वस्थ बीज का चयन करें। इसके लिए सी०ओ०पी०- 9301, सी०ओ०पी०-2061, सी०ओ०पी०- 112, बी०ओ-91, बी०ओ-153 एवं बी०ओ- 154 किस्में इस क्षेत्र के लिए अनुशंसित हैं। कार्वेन्डाजिम दवा के 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर गन्ना के गेड़ियों को 10-15 मिनट तक उपचारित कर रोपाई करें। दीमक, कल्ला एवं जड़ छिद्रक कीट से बचाव हेतु बीज को क्लोरपाइरिफॉस 20 ई०सी० का 5 लीटर प्रति हेक्टेयर रोपनी के समय पोरियों पर सिराउर में छिड़काव करें।
- रबी प्याज की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करे। खेत की जुताई में 15 से 20 टन गोबर की खाद, 60 किलोग्राम नेत्रजन, 80 किलोग्राम फॉस्फोरस, 80 किलोग्राम पोटैश तथा 40 किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर का व्यवहार करें। जिन किसान का प्याज का पौध 50-55 दिनों का हो गया हो वें छोटी-छोटी क्यारीयाँ बनाकर पौधों से पौधों की दूरी 15 से०मी०, पौध से पौध की दूरी 10 से०मी० पर रोपाई करें। क्यारीयों का आकार, चौड़ाई 1.5 से 2.0 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार 3-5 मीटर रखे। पिछात प्याज की पौधशाला से प्रत्येक 10 से 12 दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- चना की बुआई अतिशीघ्र सम्पन्न करने का प्रयास करें। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा-256, के०पी०जी०-59(उदय), के०डब्लू०आर० 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाइरीफॉस 8 मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः 4 से 5 घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- लहसुन की फसल में निकाई-गुराई करें तथा कम अवधि के अन्तराल में नियमित रूप से सिंचाई करें। लहसुन में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- अगात बोयी गयी मक्का की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। आलू में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने एवं सिंचाई की सलाह दी जाती है।
- बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। कीट से बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकट्ठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 ई०सी०/1 मि०ली० प्रति 4 ली० पानी की दर से छिड़काव करें।
- सब्जियों वाली फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। बैंगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। बचाव हेतु ग्रसित तना एवं फलो को इकट्ठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 ई०सी०/1 मि०ली० प्रति 4 ली० पानी की दर से छिड़काव करें।
- दूधारु पशुओं के रख-रखाव एवं खान पान पर विशेष ध्यान दें। खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें। दुधारु पशुओं के दूध में निम्न तापमान के कारण आयी कमी को दूर करने के लिए नियमित रूप से दाने के साथ कैल्सियम भी खिलायें। पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें।

आज का अधिकतम तापमान: 26.4 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)

तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

आज का न्यूनतम तापमान: 11.5 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)